an>

Title: Need to give economic package and rehabilitate the families living in forest land in Andaman and Nicobar group of Islands.

श्री बिÂणु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरे हाथ में आज सुबह-सुबह डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर, मिडिल अंडमान से एक नोटिस आया है और नॉर्थ अंडमान नोटिस देने जा रहा है। नोटिस के मुताबिक करीब-करीब 40 से 50 साल से वहाँ फॉरेस्ट लैंड में पाँच हजार परिवार रहते हैं, उनकी कुल आबादी पचास हजार है, जबकि अंडमान की कुल आबादी साढ़े चार लाख है। उन परिवारों का एक महीने के अंदर में उनकी अपनी मेहनत से बनाया हुए नारियल पेड़ और सुपारी पेड़ को काट दिया जाएगा, घर को ध्वस्त किया जाएगा और उन्हें घर से बेघर कर दिया जाएगा। ये पाँच हजार परिवार आज मानसिक यंतूणा झेल रहे हैं। वे मुझे धमकी देकर कह रहे हैं कि हम लोग आत्महत्या करेंगे, सुसाइड करेंगे। ऐसे पोस्ट 78 फॉरेस्ट परिवारों का वÂाऩ 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने आइलैंड-डेवलपमेंट-अथॉरिटी मीटिंग में फैंसला किया और कहा कि ऐसे परिवारों का पुनर्वास किया जाएगा और उनको आर्थिक पैकेज दिया जाए। चौदह साल बीत चुके हैं, पैकेज पूरा नहीं हुआ, आदेश का पालन नहीं हुआ।

मैं माँग करूँगा कि जो परिवार वहाँ 40-50 साल से रह रहे हैं, उन्हें वहाँ 15 बीघा जमीन का एलाटमेंट करके आर्थिक पैकेज दिया जाए। यह अंडमान निकोबार द्वीप समूह की पुकार है। मैं फिर कहता हूँ कि अंडमान निकोबार द्वीप समूह में सरकार को बदनामी करने के लिए लंबी साजिश चल रही है। इसके पीछे कुछ अफसरों की साजिश है। इसके विरोध में मैंने आवाज उठाई है। भारत माता की जय।